अब सड़कों की निगरानी ड्रोन कैमरे से की जाएगी

राज्य ब्यूरो, पटना : जर्जर सड़क की रिपोर्ट पर अब किसी तरह के इधर-उधर की गुंजाइश संभव नहीं होगी। ड्रोन कैमरे के माध्यम से सड़क की ली गई तस्वीर हर हफ्ते पथ निर्माण विभाग को उपलब्ध होगी। विभाग सड़कों की स्थिति की मॉनीटरिंग को डिजिटल सिस्टम की नई तकनीक के साथ जोड़कर यह व्यवस्था शुरू करने जा रहा है।

14 हजार किमी स्टेट हाईवे के लिए हो रहा इंतजाम : पथ निर्माण विभाग के संबंधित अधिकारी ने बताया कि डिजिटल सिस्टम के माध्यम से सड़कों की मॉनीटरिंग वाले तंत्र में 14 हजार किमी स्टेट हाइवे को जोड़ा जा रहा है। फरवरी से आरंभ हो रही नई रोड मेंटनेंस पॉलिसी की परिधि में इन सभी सड़कों को लिया गया है। इनके रख रखाव के लिए निर्माण एजेंसी तय है।

इस तरह काम करेगा सिस्टम : डिजिटल सिस्टम के माध्यम से मॉनीटरिंग की व्यवस्था पूरी तरह से विभाग के अधीन काम करेगा। विभाग को नियमित रूप से उन सड़कों की बड़ी तस्वीरें उपलब्ध कराएगा जो रोड मेंटेनेंस पॉलिसी के तहत रख रखाव के लिए निर्माण एजेंसी को दी गई हैं। विभाग उन तस्वीरों के आधार पर संबंधित सड़कों पर निर्माण एजेंसी से बात करेगा। कोशिश यह की जा रही है कि यह सिस्टम पूरी तरह से मशीन पर आधारित हो। सड़कों के रख रखाव से जुड़े 27 तरह के मानदंड पर डिजिटल सिस्टम के तहत रिपोर्ट मंगाई जाएगी।

- पथ निर्माण विभाग 14 हजार किमी सड़कों की मेंटनेंस की स्थिति पर डिजिटल सिस्टम से रखेगा निगरानी

सेंसर्स और स्वचालित सिस्टम का भी उपयोग

इस सिस्टम के संबंध में पथ निर्माण विभाग के संबंधित अधिकारी ने बताया कि इसमें सेंसर्स व स्वचालित सिस्टम का भी उपयोग किया जाएगा। सॉफ्टवेयर का उपयोग कर यह भी देखा जाएगा कि कितनी अवधि में टूटी सड़कों की मरम्मत की गई।